MAHD–04

June – Examination 2024

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(काव्यशास्त्र एवं समालोचना)

Paper : MAHD-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) आचार्य भामह के अनुसार काव्य की परिभाषा बताइए।

   (ii) प्रबंध काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(iii) रस को काव्य की आत्मा मानने वाले आचार्य कौन हैं ?

(iv) ध्वनि की परिभाषा लिखिए।

(v) संचारी भाव किसे कहते हैं ?

(vi) वाक्य वक्रता का एक उदाहरण दीजिए।

(vii) विरेचन सिद्धांत के जनक का नाम बताइए।

(viii) मार्क्स का सिद्धांत किस वाद पर आधारित है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. काव्य-प्रयोजन से क्या तात्पर्य है ? विवेचना कीजिए।

3. प्रबंध और मुक्तक काव्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. वक्रोक्ति को काव्य की आत्मा मानने के पक्ष में तर्क दीजिए।

5. रस निष्पत्ति की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

6. ध्वनि काव्य के प्रमुख भेदों की तुलना कीतिए।

7. साधारणीकरण विषयक विभिन्न आचार्यों के मत का वर्णन कीजिए।

8. इलियट के अस्तित्ववाद की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

9. त्रासदी के प्रमुख तत्वों का अरस्तू की दृष्टि में क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. काव्य में प्रतिभा, निपुणता और अभ्यास के महत्व को विविध उदाहरणों के माध्यम से रेखांकित कीजिए।

11. काव्य में अलंकारों के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे काव्य की आत्मा मानना कहाँ तक उचित है ? अपने विचार लिखिए।

12. रस के विविध अवयवों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

13. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) विभाव और अनुभाव

(ब) कला प्रकृति का अनुकरण करती है।